

RETURN TO THE SOURCE



रक्षाबन्धन

रक्षाबन्धन के इस अवसर पर प्यार भरी दिल की बधाईयाँ

वर्तमान में मनुष्य आत्मार्ये अपने वास्तविक घर की गहन शांति और परमात्म प्यार के लिए तड़प रही हैं। ऐसे समय पर रक्षाबन्धन आत्माओं को निष्ठा व दृढ़ता से परमात्मा के साथ सम्बन्ध जोड़ने का एक मंगल उत्सव है। इस पावन बंधन से आत्मा का भाग्य जाग्रत हो जाता है और उनकी तक्दीर बदल जाती है।

साथ-साथ आत्मा अपने दिव्य व आदि स्वरूप में पुनः स्थित होकर सर्वगुणों व सर्व शक्तियों रूपी रूहानी आभूषणों से श्रृंगारित हो जाती है। आत्मा के इस स्वरूप से रचयिता की सुन्दरता का दर्शन हो जाता है।

ऐसे समय पर जब सारा सृष्टि रूपी झाड़ मार्गदर्शन व शक्ति के लिए परमात्म स्त्रीत को पुकार रहा है तब मेरा उस एक परमात्मा से अटूट व गहरा सम्बन्ध बना रहे। ऐसा बंधन जिससे मैं अपने भाई-बहनों के लिए आशा, सहारा, रहम व प्रेरणा का बेहद का स्त्रीत बन सकूँ।

बाबा की मधुर याद सहित,
मोहनी बहन
व
न्यूयॉर्क परिवार

